वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ और कॉम्पोनेंट्स के स्वदेशी विकास के लिए सीएसआईआर-सीरी और समीर, मुंबई के बीच हुआ एमओयू

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिग की प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर – केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (CSIR-CEERI) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत एक स्वायत्त अनुसंधान और विकास संस्थान 'सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिग एंड रिसर्च (समीर)' ने वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ और कॉम्पोनेंट्स के स्वदेशी विकास को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। दो महत्वपूर्ण शोध संस्थानों के बीच यह रणनीतिक सहयोग एक महत्वपूर्ण कदम है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए डॉ पी हनुमंत राव, महानिदेशक, समीर तथा डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

समीर एवं सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिकों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान करते हुए
डॉ पी हनुमंत राव एवं डॉ पी सी पंचारिया

दोनों शीर्ष शोध संगठनों ने संयुक्त रूप से पल्स्ड और संचार तरंग (सीडब्ल्यू) मैग्नेट्रॉन, पल्स्ड और सीडब्ल्यू मल्टी-कैविटी क्लाइस्ट्रॉन, डायोड प्रकार के इलेक्ट्रॉन गन के डिस्पेंसर कैथोड, हाई-पावर ट्रैवलिग वेव ट्यूब (टीडब्ल्यूटी), थायरेट्रॉन्स और अन्य माइक्रोवेव डिवाइसेस के विकास के लिए इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन (एमओयू) में सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया और 'समीर' के महानिदेशक डॉ. पी. हनुमंत राव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डॉ पंचारिया के साथ सीएसअसाईआर-सीरी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ संजय घोष एवं डॉ अनिर्बान बेरा; वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अयन बंद्योपाध्याय, डॉ शिवेन्द्र मौर्य, डॉ रंजन बारिक एवं उनकी टीम तथा पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तंवर, प्रधान वैज्ञानिक आदि उपस्थित थे। समीर, मुंबई के महानिदेशक डॉ पी हनुमंत राव के साथ समझौता ज्ञापन आदान-प्रदान कार्यक्रम में डॉ एस एस ककाटकर, कार्यक्रम निदेशक; डॉ एस टी चवन, प्रमुख, लाइनेक प्रौद्योगिकी प्रभाग; तथा डॉ संदीप व्यास, वैज्ञानिक-बी उपस्थित थे।

अपने दशकों के शोध अनुभव और नवाचार के मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ सीएसआईआर-सीरी तथा माइक्रोवेव प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्टता और स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रसिद्ध 'समीर (SAMEER) ने वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और घटकों के स्वदेशी विकास के लिए अपनी विशेषज्ञता, संसाधन, और आधारभूत सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सहमति व्यक्त की है। यह एमओयू महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगा क्योंकि वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी में मेडिकल लाइनैक (LINAC) सिस्टम और उच्च शक्ति ट्रांसीवर जैसे अनुप्रयोगों के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। यह समझौता ज्ञापन जहां एक ओर स्वदेशी वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत की प्रौद्योगिकीय संप्रभुता को मजबूत करेगा वहीं दूसरी ओर प्रौद्योगिकियों के आयात की आवश्यकता को भी कम करेगा।